'मातृ एवं बाल स्वास्थ्य संरक्षण अभियान'

ग्राम पंचायत स्तरीय बैठक

परिचय:-

पिछले कई वर्षों में समुदाय स्तर पर मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में सुधार लाने के अथक प्रयास किये गए हैं। इन प्रयासों में समुदाय स्तर पर कार्य कर रहे प्रथम पंक्ति कार्यकर्तायों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रथम पंक्ति कार्यकर्तायों ने समुदाय में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सेवाएँ लेने हेतु प्रेरित करने का कार्य निरंतर रूप से किया है। इन प्रयासों के फलस्वरूप स्वास्थ्य और पोषण के सूचकांकों में उलेखेनीय गिरावट दर्ज की गयी है।

इन प्रयासों के बावजूद वर्त्तमान में मातृ और शिशु मृत्य दर बहुत अधिक है। वर्ष 2012-13 में उत्तर प्रदेश की मात् मृत्यु दर 258 प्रति लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 50 प्रति हज़ार जीवित जन्म है।

यह ध्यान देने योग्य तथ्य है कि जिन कारणों से नवजात, शिशु और माताओं की मृत्यु हो रही है या वह कुपोषण का शिकार हो रहे हैं, उन में से कुछ कारणों को बहुत ही आसानी से समुदाय स्तर पर गर्भवती व धात्री माताओं, 0 से 5 वर्ष के बच्चों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य एवं पोषण सेवायों की गुडवता और उपलब्धता में सुधार कर दूर किया जा सकता है। इस कड़ी में 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन' द्वारा स्वास्थ्य सेवायों में सुधार हेतु कई महवपूर्ण कदम उठाये गए हैं। साथ ही प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए 'राज्य पोषण मिशन' की शुरुआत भी की गयी है।

माताओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु यह आवश्यक हैं कि उन्हें आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य और पोषण सम्बंधित सेवाएँ सुगमतापूर्वक उपलब्ध कराई जाए, जैसे सभी गर्भवती महिलायों को प्रसव पूर्व आवश्यक गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उनके क्षेत्र में ही उपलब्ध कराना, सभी शिशुयों का समय समय पर स्वास्थ्य जांच और आवश्यक टीके, दवाइयां और संदर्भन की सेवाएँ उपलब्ध कराना। समुदाय में परिवार नियोजन एवं पोषण सम्बंधित सेवाएँ और जानकारी देना।

मातृ एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाने के लिए इस दिशा में और अधिक सघन एवं एकीकृत प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। अतः वर्ष 2015–16 को ''**मातृ एवं बाल स्वास्थ्य वर्ष**'' के रूप में मनाया जाना **प्रस्तावित** है तथा दिनांक 1 अप्रैल, 2015 को इस आशय की औपचारिक घोषणा की जानी प्रस्तावित है।

इसके पूर्व चरणबद्ध तैयारियों के अंतर्गत 'मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सुधार हेतु तीन महीने का **''मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संरक्षण अभियान''** राज्य स्तर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के नेतृत्व में 'उ.प्र. तकनीकी सहयोग इकाई' के सहयोग से चलाए जाना **प्रस्तावित** है।

I. अभियान का उददे्शय

तीन माह तक चलने वाले इस व्यापक अभियान के चार प्रमुख उद्देश्य होंगे–

- पूर्ण टीकाकरण आच्छादन में वृद्धि (0–2 वर्ष के शिशु)
- संस्थागत प्रसवों में वृद्धि
- आधुनिक परिवार नियोजन सेवाओं के आच्छादन एवं प्रयोग में वृद्धि
- बाल कुपोषण में कमी हेतु पाँच वर्ष से कम के बच्चों का वजन तथा लंबाई की माप तथा कुपोषित बच्चों का उचित संदर्भन एवं प्रबन्धन

बैठक के उदेश्य:

इस बैठक के मुख्यतः दो उदेश्य हैं-

I. 'मातृ एवं बाल स्वास्थ्य वर्ष'' **और** ''मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संरक्षण अभियान'' **के** उददे्शय **और महत्वपूर्ण घटकों को समझना**

II. इन कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु उप केंद्र/ ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारी और कर्मचारियों की भूमिकाएं और उनसे अपेक्षाएं।

अभियान के मुख्य घटक:-

अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए यह अभियान पाँच मुख्य घटकों पर केन्द्रित होगा-

1. 'स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस' का सुदृढ़ीकरण-

समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य व पोषण संबंधी सेवाएँ 'स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस' के माध्यम से प्रदान की जाती है। स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस हर माह आयोजित होने वाला एक निश्चित दिवस है, जिसमें एक निश्चित क्षेत्र/गांव के लोगो को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधित सेवाएं दी जाती है। **महिलायों और बच्चों में उत्तरजीविता को बढ़ाने हेतु इस मंच के माध्यम से गर्भवती एवं प्रसूता महिलायों, नवजात शिशुयों, किशोरी बालिकायों और योग्य दम्पतियों को आवश्यकतानुसार उनके क्षेत्र में हीं सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।** अभी तक 'स्वास्थ्य पोषण दिवस' केवल ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होते थे। परन्तु अब शहरी क्षेत्रों में भी इस कार्यक्रम को लागू किया जाएगा।

2. 200 उच्च प्रसव भार वाली स्वास्थ्य इकाईयों की गुणवत्ता में सुधार
3. परिवार नियोजन सेवाओं में विस्तार
4. आशाओं का समय से भुगतान एवं सुदृढ़ीकरण
5. **सवास्थ्य सम्बंधित रिपोर्टिंग** तंत्र का सुदृढ़ीकरण

II. इन कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु उप केंद्र/ ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारी और कर्मचारियों की भूमिकाएं और उनसे अपेक्षाएं

अभियान को सफल बनाने हेतु आवश्यक है कि इसके महत्वपूर्ण घटकों पर सम्बंधित अधिकारीयों और कर्मचारियों द्वारा समुचित रूप से योजना बना कर क्रियान्वन कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

'स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस' का सुदृढ़ीकरण

इस अभियान के तहत्, स्वास्थ्य पोषण दिवस का प्रभावी क्रियान्वन सुनिश्चित किये जाने के उदेश्य से निम्न गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित किया जाना है-

ए.एन.एम की भूमिका:-

- स्वास्थ्य पोषण दिवस के सफल आयोजन हेतु ए.एन.एम. द्वारा लक्षित लाभार्थियों (0-1 वर्ष के बच्चों, 1-5 वर्ष के बच्चों, गर्भवती माताओं और किशोरियों) की सूची बनाना
- उप केंद्र स्तरीय कार्ययोजना के अनुसार अपने उप केंद्र में आयोजित हो रहे स्वास्थ्य पोषण दिवस हेतु आवश्यक लोजिस्टिक सुनिश्चित करवाना
- सत्र दिवस पर संशोधित टैली शीट का उपयोग करते हुए प्रदत सेवाओं की आख्या तैयार करना
- निश्चित समयावधि के अन्दर स्वास्थ्य एवं पोषण आख्या ब्लाक को प्रेषित करवाना
- यह सुनिश्चित करना कि स्वास्थ्य पोषण दिवस पर संशोधित दिशा निर्देशों के अनुसार -गर्भवती, प्रसूता महिलाओं, 0-1 वर्ष के बच्चों, 1-5 वर्ष के बच्चों, किशोरी बालिकाओं और योग्य दम्पतियों को आवश्यकतानुसार सेवाएँ और परामर्श प्रदान की जा रही है
- स्वास्थ्य पोषण दिवस के सफल क्रियान्वन और समीक्षा हेतु AAA बैठकों का उपयोग करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्री से समनवय स्थापित करना
- अभियान को सफल बनाने के लिए पंचायत स्तर पर होने वाली बैठकों का आयोजन में सहयोग करना
- स्वास्थ्य पोषण दिवस के सफल क्रियान्वन हेतु ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति से समन्वय स्थापित करना

आशा की भूमिका:-

- गर्भवती, प्रसूता महिलाओं, 0-1 वर्ष के बच्चों, 1-5 वर्ष के बच्चों, किशोरी बालिकाओं और योग्य दम्पतियों को आवश्यकतानुसार सेवाएँ प्रदान करने हेतु लाभार्थियों की सूची बनाना
- स्वास्थ्य पोषण दिवस पर सेवाएँ लेने हेतु लाभार्थियों को प्रेरित करना
- स्वास्थ्य पोषण दिवस के दौरान दी गयी सेवाओं को सत्र के पश्चात् अपने ग्राम स्वास्थ्य सूचकांक रजिस्टर में अंकित करना
- अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु दिशा निर्देश के अनुसार कार्य करना

आंगनबाड़ी कार्यकत्री की भूमिका:-

- स्वास्थ्य पोषण दिवस के लाभार्थी 0-1 वर्ष और 1-5 वर्ष तक के बच्चों की सूची बनवाना
- स्वास्थ्य पोषण दिवस पर लाभार्थियों को पोषाहार वितरण करना
- स्वास्थ्य पोषण दिवस पर अति कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन और संदर्भन सुनिश्चित करना
- स्वास्थ्य पोषण दिवस के सफल क्रियान्वन हेतु ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करवाना
- स्वास्थ्य पोषण दिवस के सफल क्रियान्वन और समीक्षा हेतु AAA बैठकों का उपयोग करते हुए ए.एन.एम. और आशा से समनवय स्थापित करना

ग्राम प्रधान की भूमिका:-

- स्वास्थ्य और पोषण दिवस के आयोजन हेतु ए.एन.एम, आशा और अगंवादी कार्यकत्री को आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करना
- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति निधि का उपयोग कर स्वास्थ्य पोषण दिवस के आयोजन में आवश्यक सामग्रियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना
- समय समय पर अपने क्षेत्र में आयोजित हो रहे स्वास्थ्य और पोषण दिवस का अवलोकन करना और कमियों का निस्तारण करने हेतु ए.एन.एम. और अन्य कार्यकर्ताओं को सहयोग देना

<u>परिवार नियोजन कार्यक्रम आच्छादन में सुधार हेतु भूमिकाएं</u>

समुदाय में महिलायों और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए आवश्यक है कि उन्हें परिवार नियोजन सम्बंधित सेवाएँ भी उपलब्ध हो सकें। इन सेवाओं की पहुँच समुदाय तक सुनिश्चित कराने में ए.एन.एम और आशा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ए.एन.एम की भूमिका:-

- ए.एन.एम. द्वारा अपने उपकेन्द्र के ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करना जहाँ समुदाय में परिवार नियोजन के साधनों की मांग व आवश्यकता है पर उन तक परिवार नियोजन की सेवाओं की पहुच नही बन पायी है।
- चिन्हित क्षेत्रों में परिवार नियोजन के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- दूरस्थ व असेवित क्षेत्रों तक नसबंदी सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित किये जाने हेतु इन क्षेत्रों में आयोजित किये जा रहे नसबंदी शिविरों में सेवा लेने हेतु लाभार्थियों को प्रेरित करना
- सेवाकेन्द्रों पर गर्भनिरोधक सामग्री का पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करना।

आशा की भूमिका:-

- ए.एन.एम. को अपने उपकेन्द्र के ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करने में सहयोग देना जहाँ समुदाय में परिवार नियोजन के साधनों की मांग व आवश्यकता है पर उन तक परिवार नियोजन की सेवाओं की पहुच नही बन पायी है

- अन्तराल विधियों की पहुँच समुदाय तक बढ़ाने हेतु गर्भनिरोधक सामाग्रियों को लाभार्थियों के द्वार तक वितरित.
- ग्राम स्वास्थ्य सूचकांक पंजिका (वी.एच.आई.आर.) व लक्ष्य दम्पति रजिस्टर (ई.सी.आर.) को नियमित रूप से अद्युनांत करना

हेल्थ मैनेजमेण्ट इन्फॉरमेशन सिस्टम व मदर एंड चाईल ट्रैकिंग सिस्टम (HMIS/MCTS) का सुदृढ़ीकरण में हेतु भूमिकाएं

स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों को समय पर और उचित प्रकार से अभिलिखिकरण भी आवश्यक है। इस उदेश्य से वर्त्तमान में संचालित हेल्थ मैनेजमेन्ट इनफारमेशन सिस्टम (HMIS) व्यवस्था में व्यापक सुधार करना भी इस अभियान के प्रमुख उदेश्यों में से एक है।

ए.एन.एम की भूमिका:-

- एच.एम.आई.एस. प्रपत्र में सूचना को सही प्रकार से भरना
- एम.सी.टी.एस. रजिस्टर में आवश्यक जानकारी सही प्रकार से दर्ज करना
- निश्चित समय पर आवश्यक प्रतिवेदन ब्लाक को उपलब्ध कराना

आशा भुगतान तंत्र सुदृढ़ीकरण

इस अभियान के तहत ब्लाक की सभी आशाओं को दिसम्बर 2014 तक की विलम्बित राशि 15 फरवरी तक अवश्य रूप से निर्गत कराए जाने का निर्णय लिया गया है। दिसंबर, 2014 तक के लंबित भुगतानों के निस्तारण हेतु ब्लाक स्तरीय विशेष कैम्पों का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इन कैम्पों की सफलता हेतु आशा और ए.एन.एम के महत्वपूर्ण दायित्व है।

ए.एन.एम की भूमिका:-

- अपने क्षेत्र की समस्त आशाओंए जिनका भुगतान लंबित है, के वाउचर एवं कार्य का सत्यापन हेतु करना सुनिश्चित करें।
- कैंप के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।
- आशा को वाउचर भरने, सत्यापन में आने वाली छोटी–छोटी समस्याओं का तात्कालिक समाधान अपने स्तर से करना सुनिश्चित करें

आशा की भूमिका:-

- वह सभी आशाएं जिनका दिसंबर, 2014 तक के भुगतान लंबित हों शिविर के दौरान अपने वाउचर सही प्रकार से भर कर ले आयें।
- वाउचर अपनी सम्बंधित ए.एन.एम्. से सत्यापित करवाएं ।